10:30 am ... Education Department ... ucation

Department of Education

Vipra Arts, Commerce and Physical Education College, Raipur, C.G.

Solicits your gracious presence at the

Inaugural Function of the

State Level Seminar

on

Role of Teachers in Assessing Learning Outcomes

To be held on 28-29 JUNE 2017 at 10.00 AM

at the Multipurpose Hall, Department of Education

Chief Guest

श्री ज्ञानेश शर्मा (मीडिया प्रभारी)

Keynote Addressee

....

will preside over the function

Smt. Reika Malviya

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित
(उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से स्थायी संबध्द)
विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय
विश्वविद्यालय परिसर के बाजू, डूमर तालाब ,रायपुर (छ.ग.)
E-Mail vipracollege1996@gmail.com
Visit on- www.vipracollege.org
पंजीयन क्रं.–17951
Phone No. 9406082000

कंमाकः /वि.म./शिक्षा/बी.एड. दिनाँकः–

To

The Principal

Teacher Education Institute .... PtRSU

Raipur, C.G.

Subject: Invitation for participation in the State Level Seminar on 28-29 June 2017 at 10:00 AM

Respected,

It is our pleasure to invite you that the Department of Education, Vipra Arts, Commerce and Physical Education College, Raipur is going to organize **State Level Seminar** entitled ***Role of Teachers in Assessing Learning Outcomes*** on 28-29 June 2017.

With Kind Regards,

Truly

Principal

(Dr. Meghesh Tiwari)

Vipra Arts, Commerce and

Physical Education College, Raipur, C.G.

PRINCIPAL
Vipra Arts, Comm. & Physical
Education College
Raipur (C.G.)

Theme

"Role of teachers in Assessing Learning Outcomes"

Subthemes:

- Dimensions of Learning Outcomes
- Tools /Module for Assessment
- Need for Assessment
- Learner centred approach
- Constructive Approach for Learning outcomes

State Level Seminar
on
Role of Teachers in Assessing Learing outcomes
on 28-29 June 2017

दिनांक 28/06/2017

प्रथम तकनीकी सत्र (मुख्य वक्ता) 1) डॉ० प्रियंवदा श्रीवास्तव
विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग
पं० र० वि० वि० रायपुर

द्वितीय तकनीकी सत्र (मुख्य वक्ता) 2) डॉ० मीता झा
प्राध्यापक मनोविज्ञान विभाग
पं० र० वि० वि० रायपुर

दिनांक 29/06/2017

तृतीय तकनीकी सत्र 1) डॉ० बशीर हसन
प्राध्यापक मनोविज्ञान विभाग
पं० र० वि० वि० रायपुर

चतुर्थ तकनीकी सत्र 2) डॉ० मुकेश चंद्राकर
सहायक प्राध्यापक केन्द्रीय वि०वि०
बिलासपुर

ı Arts, Commerce and Physical Education College, Raipur, C.G

State Level Seminar

on

"ROLE OF TEACHERS IN ASSESSING LEARNING OUTCOMES"

Organized By

Department of Education

28-29 June 2017

Certificate of Participation

o certify that Dr. /Mr. /Mrs. ......Suman......Pandey......................................

pra....Arts, Commerce and Physical Education college Raipu

l and participated actively in the Seminar on Role of Teachers in Assessing L

Meghesh Tiwari
Principal
Arts, Commerce and
ıcation College, Raipur, C.G.

Dr. Divya Sharma
Convener
Vipra Arts, Commerce and
Physical Education College, Raipu

नवभारत' 29 जून '17

विप्र कॉलेज में राज्य स्तरीय सेमिनार का प्रथम दिवस

प्राथमिक शिक्षा को महत्व देना आवश्यकः प्रो. प्रियंवदा

■ नवभारत रिपोर्टर | रायपुर

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में बुधवार को दो दिनी राज्य स्तरीय सेमिनार का शुभारंभ प्रदेश कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन ज्ञानेश शर्मा के हाथों हुआ. 'अधिगम स्तर मापने में शिक्षक की भूमिका' विषय पर आयोजित इस सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने कहा, शिक्षक विद्यार्थी के जीवन का निर्माण करता है, अतः उसे सजग रहकर हमेशा अपनी शिक्षण कला में सुधार का प्रयास करते रहना चाहिए. प्रथम सत्र की प्रमुख वक्ता पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव ने कहा, शिक्षक सृजनकर्ता है, स्वस्थ नागरिकों का निर्माण करना शिक्षक का कार्य है. विद्यार्थी में नैतिक विकास के साथ करियर बनाने के लिए दिशा-निर्देशित करना शिक्षक के समानांतर चलने वाले दो कार्य हैं. इसके लिए प्राथमिक शिक्षा को महत्व देना आवश्यक है.

विद्यार्थी को पहले शिक्षा ग्रहण करने करें तैयार

द्वितीय सत्र के विषय विशेषज्ञ मनोविज्ञान की प्राध्यापक डॉ. मीता झा ने कहा, शिक्षा देने से पहले शिक्षक को विद्यार्थी को शिक्षा ग्रहण करने के लिए तैयार करना चाहिए. इसके लिए उसे निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए. उसके भीतर एकाग्रता का विकास करना चाहिए. इसी कड़ी में पवन ऊषा दुबे फाउंडेशन अध्यक्ष डॉ. उषा दुबे ने शिक्षा देने के व्यावहारिक प्रयास का उदाहरण देकर सिखाने की प्रक्रिया को समझाया. सेमिनार में कुसुम साहू, अहिल्या तिवारी व डॉ. रिया तिवारी ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए. दोनों सत्रों का संचालन संयोजक डॉ. दिव्या शर्मा ने किया. आरंभ में प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने सेमिनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते कहा कि शिक्षण कला में गुणवत्ता वृद्धि का सर्वोत्तम उपाय यही है कि लगातार इस दिशा में प्रयास जारी रहें. विशेष अतिथि रूप में अविनाश शुक्ला, आनंद पांडेय सम्मिलित हुए.

नई दुनिया' 29 जून '17

'प्राथमिक शिक्षा को महत्व देना जरूरी'

आधगम स्तर मापन म ाशक्षक का भूामका पर ावषय पर वक्ताआ न रखा राय।

विप्र कॉलेज में दो दिवसीय सेमिनार

रायपुर। नईदुनिया न्यूज

शिक्षक सृजनकर्ता है। स्वस्थ नागरिकों का निर्माण करना शिक्षक का काम है। छात्रों में नैतिक विकास के साथ कॅरियर बनाने के लिए दिशा निर्देशित करना शिक्षक का सामान्तर चलने वाले दो कार्य हैं। इसके लिए प्राथमिक शिक्षा को महत्व देना जरूरी है। यह बात पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव ने कही। उन्होंने विप्र कॉलेज में 'अधिगम स्तर मापने में शिक्षक की भूमिका' विषय पर बुधवार से शुरू हुए दो दिवसीय सेमिनार को संबोधित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चेयरमैन ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि

कला में सुधार का प्रयास करते रहना चाहिए। प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने सेमिनार के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

छात्रों में एकाग्रता का विकास करें: द्वितीय सत्र में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. मीता झा ने कहा कि शिक्षक को विद्यार्थी सबसे पहले शिक्षा ग्रहण करने के लिए तैयार करना चाहिए। इसके लिए निरंतर प्रयास करते हुए छात्रों के अंदर एकाग्रता का विकास करना चाहिए। सेमिनार में कुसुम साहू, अहिल्या

'पत्रिका' 30 जून '17

विप्र कॉलेज में सेमिनार का समापन

योग्य बनाना ही शिक्षा का उद्देश्य

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर • हर विद्यार्थी को योग्य बनाना शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए। शिक्षक ही किसी व्यक्ति जीवन में प्रगति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। यह बात रविवि के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. वशीर खान ने विप्र महाविद्यालय में आयोजित राज्यस्तरीय दो दिवसीय सेमिनार के अंतिम दिन कही। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रो. वशीर खान ने कहा कि औपचारिक मूल्यांकन के साथ अनौपचारिक मूल्यांकन करना शिक्षक का दायित्व है। शिक्षक को विषय की जानकारी के साथ विद्यार्थी के जीवन में मूल्यों का विकास करना भी शिक्षक का कार्य है। किससे कैसा व्यवहार करना, विद्यार्थी में उसकी क्षमता की रुचि के अनुसार उसका विकास करना शिक्षक का ही लक्ष्य होता है। दूसरे दिन के सेमिनार में डॉ. मुकेश चंद्राकर ने कहा कि विद्यार्थी क्या कर रहा है, पढ़ने के बाद सीखकर क्या कर रहा है उसके जीवन की उपलब्धि की जानकारी लेकर और विद्यार्थी की कमियों को दूर करें। कार्यक्रम के समापन समारोह पर प्राचार्य मेघेश तिवारी ने कहा कि शिक्षक खुद अपनी भूमिका तय करता है इसलिए उसे निरंतर चिंतन और शोध करते रहना चाहिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षकगण और छात्र उपस्थित थे।

'नई दुनिया' 30 जून '17

विद्यार्थियों को योग्य बनाना शिक्षा का उद्देश्य : प्रो. वशीर

रायपुर। विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में शिक्षा विभाग ने राज्य स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया है। इसके दूसरे दिन गुरुवार को पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय मनोविज्ञान विभाग के प्राध्यापक प्रो. वशीर हसन ने कहा कि विद्यार्थियों का औपचारिक मूल्यांकन के साथ ही अनौपचारिक मूल्यांकन करना भी शिक्षक का दायित्व है।

शिक्षक को विषय के साथ-साथ विद्यार्थियों में जीवन मूल्यों का भी विकास करना होगा। उन्हें संवेदनशीलता, समाज में रहने का तरीका, किससे कैसे व्यवहार करना है, यह सिखाना होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी क्षमता एवं रूचि के हिसाब से विकसित करना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा कि शिक्षक अपनी भूमिका खुद तय करता है, इसलिए इस विषय पर निरंतर चिंतन और शोध होते रहना चाहिए ताकि शिक्षा प्रदान करने का उद्देश्य हम सब मिलकर पूरा कर सके।

विप्र महाविद्यालय में राज्य स्तरीय सेमिनार

सेमिनार को डॉ. कैलाश शर्मा ने भी संबोधित किया। सेमिनार का संचालन डॉ. दिव्या शर्मा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक सहित बड़ी संख्या में शिक्षा संकाय के विद्यार्थी उपस्थित थे। केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ. मुकेश चंद्राकर ने कहा कि विद्यार्थी क्या सीख रहा, सीखकर क्या कर रहा, क्या उपलब्धि रही। इसका मूल्यांकन करना होगा।

'नवभारत' 30 जून '17

हर विद्यार्थी को योग्य बनाना शिक्षा का उद्देश्य : प्रो. हसन

विप्र कॉलेज में राज्य स्तरीय सेमीनार का द्वितीय दिवस

■ नवभारत रिपोर्टर ।रायपुर.

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सेमीनार के द्वितीय दिवस प्रो. वशीर हसन ने कहा औपचारिक मूल्यांकन के साथ अनौपचारिक मूल्यांकन करना शिक्षक का दायित्व है. शिक्षक को विषय की जानकारी के साथ-साथ विद्यार्थी में जीवन मूल्यों का भी विकास करना होगा. समाज में रहने का तरीका सीखाना होगा. द्वितीय सत्र में डॉ. मुकेश चन्द्राकर ने कहा विद्यार्थी क्या सीख रहा, सीखकर क्या कर रहा, क्या उपलब्धि रही?

इसका मूल्यांकन करना होगा. ज्ञान और कुशलता का मापन करके कमियों को ज्ञात कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिये. प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने समापन समारोह के अवसर पर कहा कि शिक्षक अपनी भूमिका खुद तय करता है. आभार व्यक्तकरते हुए डॉ. कैलाश शर्मा ने कहा सेमीनार में विषय विशेषज्ञों द्वारा अधिगम मापन में शिक्षक की भूमिका विषय में प्राप्त नये तथ्यों की जानकारी निश्चित ही हम सभी के शिक्षण कार्य गुणवत्ता में वृद्धि करेगा. संचालन डॉ. दिव्या शर्मा ने किया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्राध्यापक, शिक्षा संकाय के विद्यार्थी उपस्थित थे.